आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 08.08.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली में राहत कार्य चौथे दिन भी जारी। प्रभावित क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। कहा– सड़क, संचार और बिजली की बहाली के साथ ही खाद्यान्न आपूर्ति पर सरकार का विशेष ध्यान।
- बागेश्वर जिला अस्पताल में हेलो हेल्थ हेल्पलाइन नंबर का शुभारंभ। अब स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी।
- चमोली जिले में मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना के तहत महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत करने के प्रयास। महिलाओं ने पीरूल, वैजयंती और भोजपत्र सहित अन्य स्थानीय उत्पादों से राखियां बनाईं।

धराली रेस्क्यू

उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली में राहत कार्य आज चौथे दिन भी जारी हैं। केंद्र और राज्य सरकार की टीमें मुस्तैदी के साथ लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है। अपराह्न तक 70 से अधिक लोगों को आईटीबीपी मातली हेलीपैड पर पहुंचाया गया है, जहां से लगातार सभी लोगों को सकुशल उनके गंतव्य तक भी सुविधा अनुसार भेजा जा रहा है। वहीं, आज सुबह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हेली सेवा, एमआई–17 और चिनूक हेलीकॉप्टरों की मदद से सुबह से ही युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान जारी है। गंगोत्री, हर्षिल, झाला, जसपुर और गंगोत्री में फंसे यात्रियों को सुरक्षित लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार घटना की अपडेट ले रहे हैं और केंद्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। सड़क, संचार और बिजली की बहाली के साथ ही खाद्यान्न आपूर्ति पर सरकार का विशेष फोकस है और हेलीकॉप्टर की मदद से ये आवश्कताएं पूरी की जा रही हैं। आपद प्रबंधन सचिव, विनोद सुमन ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू अभियान जारी है और लोगों को सुरक्षित धराली–हर्षिल से आईटीबीपी मातली शिविर और जॉलीग्रांट, देहरादून हेलीपैड तक पहुंचाया जा रहा है। इस कार्य में विशेष रूप से चिनूक और एमआई–17 जैसे एयरलिफ्टिंग संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों से राहत सामग्री, पेयजल, दवाइयां और खाद्यान्न पहुंचाए जा रहे हैं।

हेल्पलाइन नम्बर

धराली में आई आपदा के दृष्टिगत हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, हरिद्वार में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर हैं– 01374– 22 27 22, 73 10 91 31 29 और 75 00 73 72 69

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर हैं– 0135– 27 10 334, 27 10 335, 82 18 86 70 05,

90 8 44 14 04

और टोल फ्री नंबर है– 1070

हेल्थ हेल्पलाइन नम्बर

बागेश्वर जिला अस्पताल में अब स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक पारदर्शी और सुलभ होंगी। जिलाधिकारी आशीष भटगाईं ने जिला अस्पताल में हेलो हेल्थ हेल्पलाइन नंबर– 90 68 52 02 35 का शुभारंभ किया। यह हेल्पलाइन रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक सक्रिय रहेगी, जिसके माध्यम से आमजन को जिला अस्पताल की समस्त सेवाओं की जानकारी घर बैठे उपलब्ध होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह सेवा खासतौर पर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है, ताकि उन्हें समय रहते जरूरी जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन के ज़रिए भर्ती मरीजों की स्थिति, उपलब्ध चिकित्सक, दवाएं, और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिलाधिकारी ने अस्पताल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महिला समूह/राखी

चमोली जिले में मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना के अंतर्गत महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाओं द्वारा बड़े पैमाने पर पीरूल, वैजयंती और भोजपत्र सहित अन्य स्थानीय उत्पादों से राखियां बनाई गई हैं। इसके अलावा मिष्ठान के रूप में स्थानीय व्यंजन रोटना भी तैयार किया गया है, जिसकी बाजार में सर्वाधिक मांग है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना के तहत जिले में अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर उनकी आर्थिकी मजबूत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन स्थानीय उत्पादों को बेचने के लिए जिला प्रशासन की ओर से जिले में 18 स्थानों पर स्टॉल लगाए गए हैं।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी रामेश्वरी ने बताया कि स्थानीय उत्पादों से हो रही बिक्री से महिलाओं को जहां घर पर ही रोजगार मिल रहा है, वहीं उनकी आर्थिकी भी मजबूत हो रही है।

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर्व को लेकर राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में बाजारों में रौनक दिखाई दे रही हैं। बड़ी संख्या में लोग राखियों और मिठाइयों की खरीददारी कर रहे हैं। वहीं, देहरादून में महिला स्वयं सहायता समूहों ने पर्यावरण के अनुकूल खास सीड राखियां तैयार की हैं। ये राखियां न केवल भाई–बहन के पवित्र बंधन का प्रतीक हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी एक रचनात्मक और सकारात्मक बदलाव लाने की एक पहल है। तुलसी, अपराजिता, बेल, अश्वगंधा, सूरजमुखी और कई अन्य सुगंध हर्बल पौधे के बीजों को इन राखियों में पिरोया गया है। रक्षाबंधन के बाद इन राखी को गमले में रोप देने से सुंदर हर्बल पौधा जन्म लेगा। महिला समूहों द्वारा बनाई गईं इको फ्रेंडली बीज राखियों की बाजार में धूम है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आयुष विभाग देहरादून ने विकासभवन सभागार में बीज राखी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बीज राखियों का अनावरण करते हुए स्कूली बच्चों को राखियां वितरित की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाईयों की कलाई पर इन सुंदर ईको फ्रेंडली सीड राखियों को बांधे। कार्यक्रम के दौरान सीड राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने कहा कि सीड राखी, ऐसी राखी है, जिसमें प्राकृतिक बीज संलग्न किए गए हैं। रक्षाबंधन के बाद इस राखी के कागज को मिट्टी में दबाया जा सकता है, जिससे कुछ ही समय में एक नया हर्बल पौधा अंकुरित होगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों, युवाओं और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना है। देहरादून और ऋषिकेश में भारतीय ग्रामोत्थान संस्था के अंतर्गत मोहिनी स्वयं सहायता समूह और हरिओम स्वयं सहायता समूह सहित नौ महिला समूहों द्वारा ईको फ्रेंडली राखियां तैयार की जा रही हैं।